RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 306
दि. 10.03.2026, मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

जेवर एयरपोर्ट को मिला एयरोड्रम लाइसेंस, सीएम योगी बोले—भारत का एविएशन सेक्टर तेजी से बदल रहा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि DGCA ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (NIA) के लिए YIAPL को एयरोड्रम लाइसेंस प्रदान किया है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का एविएशन सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है और बड़े बदलाव देख रहा है.

गौतम बुद्ध नगरः (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत का एविएशन सेक्टर अभूतपूर्व विस्तार और बदलाव देख रहा है. यह बात उन्होंने तब कही जब नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एयरोड्रम लाइसेंस दे दिया.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि DGCA ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (ठक्अ) के लिए YIAPL को एयरोड्रम लाइसेंस प्रदान किया है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का एविएशन सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है और बड़े बदलाव देख रहा है.

उन्होंने कहा कि जेवर में बन रहा यह विश्वस्तरीय एयरपोर्ट एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा. इससे निवेश, पर्यटन और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और नया उत्तर प्रदेश तथा नया भारत बनाने की दिशा में तेजी आएगी.

यह एयरपोर्ट YIAPL द्वारा विकसित किया जा रहा है, जो Zurich Airport Internstional AG की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है. यह परियोजना उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार के सहयोग से पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल के तहत बनाई जा रही है. नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार इस परियोजना की 40 साल की रियायत अवधि 1 अक्टूबर 2021 से शुरू हुई है.

एयरपोर्ट को सार्वजनिक उपयोग के तहत सभी मौसम में संचालन के लिए लाइसेंस दिया गया है. यहां 3,900 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा रनवे बनाया गया है, जिसमें इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (क्छर) और एरोनॉटिकल ग्राउंड लाइटिंग (अऋछ) सिस्टम लगे हैं, जिससे 24 घंटे उड़ान संचालन संभव होगा.

एयरपोर्ट पर 24 कोड-उ और 2 कोड-ऊऋ विमान के लिए पार्किंग स्टैंड बनाए गए हैं. यहां अफ्क्क्ष कैटेगरी-9 की सुविधा भी होगी, जिससे बोइंग 777-300एफ जैसे बड़े विमानों का संचालन संभव होगा.

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को चार चरणों में विकसित किया जा रहा है, जिसमें एक मल्टी-मॉडल कार्गो हब भी शामिल है. पहले चरण में एक रनवे और एक टर्मिनल बनाया जाएगा, जिससे हर साल करीब 1.2 करोड़ यात्रियों को संभालने की क्षमता होगी. सभी चरण पूरे होने के बाद एयरपोर्ट की क्षमता 7 करोड़ यात्रियों तक पहुंच जाएगी. इससे यह एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए एक बड़ा एविएशन हब बन जाएगा.

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, भारत में एविएशन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है. 2014 में जहां देश में 74 एयरपोर्ट थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 164 हो गई है. भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू एविएशन बाजार बन चुका है.

वऊ्अठ योजना जैसी पहल की मदद से भारत अपने एविएशन नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रहा है. सरकार नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाने के साथ-साथ मौजूदा ब्राउनफील्ड एयरपोर्ट और क्षेत्रीय हवाई पट्टियों को भी अपग्रेड कर रही है.

सरकार का लक्ष्य 2047 तक देश में 400 से अधिक एयरपोर्ट विकसित करने का है, जिससे कनेक्टिविटी, आर्थिक विकास और राष्ट्रीय एकता को और मजबूती मिलेगी.

नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन

पीएम मोदी ने 'सबका साथ सबका विकास - जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति' थीम पर आयोजित बजट-पश्चात वेबिनार को संबोधित किया

पिछले कुछ वर्षों में देश का स्वास्थ्य ढांचा मजबूत हुआ है; आयुष्मान भारत योजना और आरोग्य मंदिरों के माध्यम से सैकड़ों जिलों में मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच हर गांव तक बढ़ाई गई है: प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज बजट-पश्चात वेबिनार श्रृंखला के चौथे आयोजित वेबिनार को संबोधित किया, जिसकी थीम थी 'सबका साथ सबका विकास झ जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति'। श्री मोदी ने शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति सेक्टरों को इन लक्ष्यों की पूर्ति का प्रमुख माध्यम बताते हुए, बजट घोषणाओं के प्रभावी कार्यान्वयन पर विचार-विमर्श करने के लिए विशेषज्ञों और नीति निमार्ताओं का स्वागत किया। श्री मोदी ने बल देते हुए कहा, 'जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति मात्र एक

विषय नहीं है; यह इस बजट का मूल उद्देश्य और इस सरकार का संकल्प है।' प्रधानमंत्री ने निवारक और समग्र स्वास्थ्य की परिकल्पना पर जोर देते हुए, स्वास्थ्य अवसंरचना के तेजी से सुदृढ़ीकरण और योग एवं आयुर्वेद की वैश्विक लोकप्रियता का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि सैकड़ों जिलों में मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं; आयुष्मान भारत योजना और आरोग्य मंदिरों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच का विस्तार हुआ है। श्री मोदी ने विशेष रूप से उभरती 'देखभाल अर्थव्यवस्था' और वैश्विक स्तर पर देखभालकताओं की बढ़ती मांग की ओर ध्यान आकर्षित किया और विशेषज्ञों से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए नए प्रशिक्षण मॉडल विकसित करने का आग्रह किया। श्री मोदी ने कहा, "मैं इस वेबिनार में उपस्थित स्वास्थ्य सेक्टर के विशेषज्ञों से नए प्रशिक्षण मॉडल और साझेदारियों को विकसित करने के लिए सुझाव देने का आग्रह करूंगा ताकि देश में प्रशिक्षण व्यवस्था और भी मजबूत हो सके।" प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा में डिजिटल परिवर्तन के संदर्भ में, दूरस्थ क्षेत्रों तक टेलीमेडिसिन की पहुंच की सफलता का उल्लेख किया। इसकी बढ़ती लोकप्रियता को स्वीकार करते हुए, प्रधानमंत्री ने उपयोगकर्ता अनुभव को और सरल बनाने तथा जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

श्री मोदी ने कहा, "मेरा मानना है कि अभी भी टेलीमेडिसिन के बारे में जागरूकता और इसके उपयोग को सरल बनाने की आवश्यकता है।"

पश्चिम एशिया से भारतीय विमानन कंपनियों की आज 50 उड़ानें संचालित करने की योजना

नागर विमानन मंत्रालय ने कहा है कि वह पश्चिम एशिया में उत्पन्न स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है, जो भारत व पश्चिम एशिया के बीच हवाई यात्रा को प्रभावित कर रही है। यात्रियों की सुरक्षा और सुचारू उड़ान संचालन सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइंस वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक परिचालन बदलाव कर रही हैं। 7 मार्च, 2026 के यात्री आवागमन के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत की विमानन कंपनियों द्वारा संचालित कुल 51 उड़ानें इस क्षेत्र से भारत पहुंचीं।

पीडीयूएनएएसएस के निदेशक श्री कुमार रोहित ने छूट प्रबंधन और प्रतिभूतियों के मूल्यांकन पर ईपीएफओ प्रशिक्षण के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण निर्धारित किया

(जीएनएस)।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सर्वोच्च प्रशिक्षण संस्थान, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा अकादमी (पीडीयूएनएएसएस) ने आज "छूट प्रबंधन, कानूनी ढांचा और प्रतिभूतियों का मूल्यांकन" शीर्षक से एक उच्च स्तरीय पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। नौ से 13 मार्च 2026 तक चलने वाला यह कार्यक्रम देशभर में ईपीएफओ अधिकारियों की नियामक और वित्तीय निगरानी क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उद्घाटन सत्र का नेतृत्व पीडीयूएनएएसएस के निदेशक श्री कुमार रोहित ने किया, जिन्होंने आधुनिक सामाजिक सुरक्षा परिदृश्य में विशेष प्रशिक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कार्यक्रम को संबोधित दिया। श्री कुमार रोहित ने इस बात पर प्रकाश डाला कि छूट प्राप्त प्रतिष्ठानों का

विनियमन ईपीएफओ के भीतर "सबसे विशिष्ट और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण" क्षेत्रों में से एक है। अपने संबोधन में उन्होंने उपस्थित अधिकारियों के कंधों पर टिकी अपार जिम्मेदारी पर जोर दिया।

श्री कुमार रोहित ने कहा, "छूट प्राप्त प्रतिष्ठान आज करोड़ों रुपये के भविष्य निधि संचय का प्रबंधन करते हैं।" इसलिए यह आवश्यक है कि इन निधियों का न केवल विवेकपूर्ण प्रबंधन और सुरक्षित निवेश किया जाए, बल्कि प्रभावी विनियमन भी किया जाए। इस संतुलन को बनाए रखने के लिए हमारे अधिकारियों के पास कानूनी ढांचे, जटिल निवेश पैटर्न और कठोर लेखापरीक्षा तंत्रों सहित बहुआयामी समझ होनी चाहिए।

निदेशक ने कहा कि इस तरह के विशेष प्रशिक्षण से अधिकारी नीतिगत उद्देश्यों को व्यावहारिक, जमीनी स्तर की उत्कृष्टता में बदलने में सक्षम होते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि लाखों श्रमिकों के सामाजिक सुरक्षा हित सुरक्षित और पारदर्शी रूप से प्रबंधित रहें।

वैज्ञानिक और प्रशासनिक कार्यों में हिंदी का अधिक उपयोग जन-सम्पर्क को मजबूत करता है: डॉ. जितेंद्र सिंह

(जीएनएस)।

शासन और वैज्ञानिक संचार में हिंदी के व्यापक उपयोग के महत्व पर जोर देते हुए, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी; पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा पीएमओ, कार्मिक, लोक शिकायतें एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा विभाग तथा अंतरिक्ष विभाग राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि आधिकारिक कार्यों में हिंदी के उपयोग का विस्तार नागरिकों के साथ संचार को मजबूत करता है और वैज्ञानिक तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक सुलभ बनाता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज अंतरिक्ष विभाग (ऊङ्ग) तथा परमाणु ऊर्जा विभाग (ऊअए) की हिंदी सलाहकार बैठक को संबोधित किया। प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के बढ़ते उपयोग पर प्रकाश डालते हुए, केंद्रीय मंत्री ने नोट किया कि कुछ वर्ष पहले केवल लगभग 14 प्रतिशत आधिकारिक कार्य हिंदी में किए जाते थे ।

उन्होंने सरकारी कार्यप्रणाली में भाषा के व्यापक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने क्रफ्ढ तथा परमाणु ऊर्जा विभाग के नेतृत्व द्वारा हिंदी सीखने को बढ़ावा देने और उनके संबंधित संगठनों में आधिकारिक तथा तकनीकी संचार में इसके उपयोग को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की सराहना की।हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों ने भी बैठक के दौरान अपने सुझाव साझा किए और वैज्ञानिक संस्थानों में आधिकारिक कार्यों में हिंदी के उपयोग को मजबूत करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभागों तथा सलाहकार सदस्यों के बीच निकट समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया और सुझाव दिया कि प्रगति की समीक्षा करने तथा प्रशासनिक और वैज्ञानिक संचार में हिंदी के उपयोग के विस्तार के उपायों पर चर्चा करने के लिए समय समय पर बैठक आयोजित किए जाने चाहिए।

समिति ने यह भी सुझाव दिया कि हिंदी-संबंधी कार्यों का अनुवाद प्रशिक्षित हिंदी अनुवादकों के माध्यम से किया जाना चाहिए और अनुवादकों को गुणवत्ता तथा दक्षता बढ़ाने के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए।मंत्री ने भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने में उभरती प्रौद्योगिकियों की भूमिका का भी उल्लेख किया। उन्होंने नोट किया कि भारत एआई 22 भारतीय भाषाओं में सामग्री का अनुवाद करने की क्षमता रखता है, जो हिंदी सहित बहुभाषी ज्ञान प्रसार और आधिकारिक संचार को काफी समर्थन प्रदान कर सकता है। उन्होंने जोर दिया कि वैज्ञानिक जानकारी तथा प्रशासनिक संचार को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने के लिए प्रौद्योगिकी उपकरणों का लाभ उठाया जाना चाहिए।

मंत्री ने आगे कहा कि हिंदी के प्रचार के साथ-साथ, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार विभागों में क्षेत्रीय भाषाओं के विकास और उपयोग को भी प्रोत्साहित कर रही है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने विभागों तथा हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों के बीच निरंतर संलग्नता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विभागों तथा सलाहकार सदस्यों के बीच नियमित संवाद बनाए रखा जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों पर निरंतर संवाद तथा फॉलो-अप सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर आभासी बैठकें भी आयोजित की जा सकती हैं।

बैठक शुरू होने से पहले, केंद्रीय मंत्री ने दोनों विभागों द्वारा आयोजित प्रदर्शनियों का दौरा किया और अंतरिक्ष विभाग तथा परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों तथा पहलों का अवलोकन किया। उन्होंने इस बात की सराहना के साथ नोट किया कि दोनों विभागों ने अपनी रिपोर्टों तथा अन्य आधिकारिक संचार को हिंदी में भी उपलब्ध कराया है।

यह बैठक आधिकारिक कार्यों में हिंदी को बढ़ावा देने तथा विभागों और सलाहकार सदस्यों के बीच समन्वय

आईटीआरए, जामनगर द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'आयुर स्वादोत्सव' में लगभग 32 हजार से अधिक लोगों ने की सहभागिता

152 से अधिक स्टार्टअप विद्यार्थियों के 517 से अधिक उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय

आयुर्वेद आधारित 150 से अधिक स्वास्थ्यवर्धक व्यंजनों का लोगों ने लिया आनंद

(जीएनएस)।

जामनगर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद (ITRA) द्वारा दो दिवसीय 'आयुर स्वादोत्सव' का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन में लगभग 32 हजार से अधिक लोगों ने सहभागिता करते हुए आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों एवं उत्पादों का आनंद लिया।

कार्यक्रम के दौरान 152 से अधिक स्टार्टअप से जुड़े विद्यार्थियों द्वारा 517 से अधिक उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। आयुर्वेद के सिद्धांतों पर आधारित 150 से अधिक प्रकार के खाद्य पदार्थों और व्यंजनों की प्रदर्शनी और बिक्री की

व्यवस्था की गई थी, जिसमें लाइव फूड, पैकेज्ड फूड तथा अन्य पैकेजिंग आइटम शामिल थे।

इस अवसर पर केक, इडली, भजिया, नूडल्स सहित कई प्रकार के स्वादिष्ट एवं स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन लोगों के आकर्षण का केंद्र बने। आगंतुकों ने इन व्यंजनों का स्वाद लेकर स्वास्थ्य और स्वाद के अद्भुत संगम का अनुभव किया।

इसके साथ ही आयुर्वेदिक कॉस्मेटिक उत्पादों ने भी लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इनमें तुलसी बाम, पेन रिलीफ लिक्विड बाम, विभिन्न प्रकार के साबुन, शैम्पू, शरीर और सिर पर लगाने वाले औषधीय तेल सहित अनेक उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय किया गया।

इस आयोजन के माध्यम से भारत सरकार की विभिन्न पहलों जैसे वोकल फॉर लोकल, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, विकास भी विरासत भी, आत्मनिर्भर भारत, हर घर स्वदेशी तथा स्किल इंडिया को भी प्रोत्साहन दिया गया। विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को आगंतुकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 11 मार्च को केरल और तमिलनाडु की यात्रा पर जाएंगे

प्रधानमंत्री एनार्कुलम में लगभग 10,800 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे

प्रधानमंत्री भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड की कोच्चि रिफाइनरी में पॉलीप्रोपाइलीन इकाई की आधारशिला रखेंगे

प्रधानमंत्री दो प्रमुख राजमार्ग परियोजनाओं : एनएच-66 के थलापडी-चेंगला खंड का छह लेन का निर्माण और वेंगलम से रामनट्टुकरा तक कोझिकोड बाईपास का छह लेन का निर्माण कार्य का लोकार्पण करेंगे

प्रधानमंत्री तिरुचिरापल्ली में लगभग 5,650 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे

स्वास्थ्य क्षेत्र को निर्यात और कौशल विकास से जोड़ना सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है: श्री पीयूष गोयल

(जीएनएस)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज कहा कि भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) औषधि, स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रहे हैं। साथ ही ये समझौते वैश्विक व्यापार में भारत की स्थिति को और मजबूत बनाने में भी सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

बजट 2026 के उपरांत नई दिल्ली में 'सबका साथ, सबका विकासः लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति' विषय पर वेबिनार को संबोधित करते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले लगभग साढ़े तीन वर्षों में कुल नौ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से पाँच समझौते पिछले 12 महीनों के दौरान संपन्न हुए हैं। उन्होंने कहा कि इन समझौतों के परिणामस्वरूप अब वैश्विक व्यापार का लगभग दो-तिहाई हिस्सा भारत के लिए खुल चुका है। इन एफटीए के माध्यम से भारत को कई अन्य देशों की तुलना में प्राथमिकता आधारित बाजार पहुंच मिल रही है, जिसमें कम आयात शुल्क और अधिक बाजार अवसर शामिल हैं। इससे व्यापार को बढ़ाने के लिए नए रास्ते खुल रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि औषधि और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में भारत का दुनिया के साथ व्यापार अब पहले से कहीं अधिक व्यापक स्वरूप ले चुका है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) केवल बड़े उद्योगों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका लाभ किसानों, मछुआरों, एमएसएमई, छोटे उद्योगों और व्यापारियों को भी मिलता है। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से चिकित्सा उपकरणों का निर्माण करने वाले मेड-टेक क्षेत्र और औषधि क्षेत्र को भी लाभ मिलता है। साथ ही नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े लोगों के लिए वैश्विक स्तर पर नए अवसर भी खुलते हैं। भारत की औषधि क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत को विश्व स्तर पर 'दुनिया की फामेर्सी' के रूप में व्यापक पहचान प्राप्त हुई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री ठंशेल्लशिं टङ्क के नेतृत्व में तैयार की गई मजबूत आधारशिला के बल पर भारत आगे बढ़ते हुए वैश्विक बाजारों में नए अवसरों का लाभ उठाने में सफल होगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अमृत काल के दौरान 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए भारत की यात्रा को मार्गदर्शन देने के लिए पाँच प्रमुख प्राथमिकताओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी इंदिरा नगर लखनऊ द्वारा होली मिलन समारोह मनाया गया

लखनऊ, वसुंधरा एन्क्लेव फेज 1 इंदिरा नगर सेक्टर 11 इंदिरा नगर लखनऊ निवासियों द्वारा होली मिलन समारोह बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया` वसुंधरा एन्क्लेव के कॉलोनी वासियो ने विगत वर्षो की भांति होली मिलन समारोह आयोजित किया` कॉलोनी वासियो का मनना है की इससे भाई चारे की भवना के साथ ही रिस्तो में मजबूती बढ़ेगी` इस अवसर पर फूलो की होली के साथ ही फाग गान मंडली, महिलाओं एवं नन्हे मुन्ने बच्चो ने अपनी प्रस्तुति नृत्य होलीगीत एवं भक्ति गीत से दी निहारिका श्रीवास्तव एवं मनु श्रीवास्तव ने बच्चों के कार्यक्रम का संचालन किया।उपस्थित एवं प्रतिभागी जिसमें प्रमुख रूप से डॉ अलका सिंह ,गीता सैनी, रंजना श्रीवास्तव, नीलम

राय, रीना राय, रोशनी सेठ, रोली गुप्ता, दीप्ति सैनी,सागरिका मिश्रा,नमिता मिश्रा, अमृता श्रीवास्तव,इशिता शुक्ला, विद्या वाजपेई, संजना वाजपेई,रेनू राय,कमलेश सेठ, सोनी सेठ, कुसुम द्विवेदी, नूतन श्रीवास्तव, प्रीति श्रीवास्तव, संध्या यादव, सीमा यादव, ममता गुप्ता, शीला गुप्ता, कविता सिंह, इमी श्रीवास्तव, सेतु सेठ, इत्यादि रही` इस अवसर पर स्थानीय पार्षद राम कुमार वर्मा, संजीव कुमार सिंह (अध्यक्ष), राजेश राय, संरक्षक जनार्दन सिंह, वी.बी.एस. श्रीवास्तव,(महासचिव), बंश बहादुर यादव (उपाध्यक्ष), ओम हर्ष यादव, कोषाध्यक्ष, डॉ. (प्रो.) पी.सी. गुप्ता, मीडिया प्रभारी, अंकुर सेठ, अंकित सेठ,विजय सिंह, अनिल बाजपेयी, राजेश द्विवेदी(जीएनएस)। राजेश राय, सुधांशु सैनी, विवेक श्रीवास्तव, पी. एस. लाल श्रीवास्तव, सतीश कुमार तिवारी ,आर. के. सैनी , आदिनाथ राय , गंगा सिंह, अवधेश्वर सहाय, भारद्वाज, प्रवेश राय, उत्कर्ष तिवारी इत्यादि पदाधिकारी मौजूद रहे`

अली खामेनेई की शहादत पर पत्रकार संवाद मंच का भावुक श्रद्धांजलि

दिलों को चीर देने वाली विदाई, अमर हो गई खामेनेई की आवाज,

(जीएनएस)।

लखनऊ। दुनिया की इस भागती-दौड़ती जिंदगी में कभी-कभी ऐसे क्षण आते हैं, जब समय ठहर सा जाता है। हवाओं में एक करुण स्वर गूंजता है, और दिल की धड़कनें मानो रुक सी जाती हैं। ऐसा ही एक दुखद क्षण आया है, जब ईरान के महान सुप्रीम लीडर, सैय्यद अली आयतुल्लाह खामेनेई की शहादत की खबर ने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया। उनकी विदाई नहीं सिर्फ एक नेता की मौत है, बल्कि मानवता के एक युग का अंत है, एक ऐसा युग जो न्याय, आस्था और अटूट साहस की मिसाल था। उनकी स्मृति में आज आंसुओं की धारा बह रही है, और हर आंख नम है, जैसे कोई अपनों को खोने का दर्द साझा कर रही हो।

खामेनेई की शहादत ने इंसानियत को रुला दिया,

आयतुल्लाह खामेनेई, वह नाम जो ईरान की धरती पर क्रांति की लौ जलाता रहा, और दुनिया भर में इस्लामी मूल्यों की रक्षा का प्रतीक

बना। उन्होंने अपना जीवन समर्पित किया उन मूल्यों को जो इंसानियत को ऊंचा उठाते हैं, गरीबों की सेवा, अन्याय के खिलाफ आवाज, और शांति की पुकार। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनकी गरजती हुई आवाज ने तानाशाहों को थर्रा दिया और दबे-कुचले लोगों को उम्मीद की किरण दी। लेकिन अब वह आवाज खामोश हो गई है। 28 फरवरी 2026 को तेहरान में हुए उस क्रूर हमले ने उन्हें हमसे छीन लिया, एक हमला जो अमेरिका-इजराइल की साजिश का हिस्सा था, और जिसने ईरान को 40 दिनों के शोक में डुबो दिया। उनकी शहादत ने साबित किया कि सच्चे नेता कभी मरते नहीं वे अमर हो जाते हैं, हमारी यादों में हमारी प्रार्थनाओं में।

इस गहन दुख की घड़ी में, पत्रकार संवाद मंच, के सम्मानित अध्यक्ष महोदय, सईद खान उर्फ ताजू, ने अपनी भावुक वाणी से इस दर्द को शब्द दिए। उन्होंने कहा, आयतुल्लाह खामेनेई एक ऐसे नेता थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया। उनकी शहादत एक अपूरणीय क्षति है, जिसे हम कभी भर नहीं सकते। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक चमकते सितारे थे, जिनकी रोशनी ने करोड़ों दिलों को रोशन किया। उनके जाने से न सिर्फ ईरान, बल्कि पूरी दुनिया ने एक मार्गदर्शक खो दिया। हिंदुस्तान समेत कई देशों से आए शोक संदेश इस बात के गवाह हैं कि उनकी विरासत सीमाओं से परे है।

मेटुकहा चौराहा पर इफ़्तार दावत का आयोजन, अमन-चैन और भाईचारे की दुआ

(जीएनएस)।

बहराइच जनपद के थाना रामगांव अंतर्गत मेटुकहा चौराहा पर पवित्र रमजान माह के अवसर पर एक इफ़्तार दावत का आयोजन किया गया। इस मौके पर समाज के सभी वर्गों के लोग—बड़े, बुजुर्ग, करीबी दोस्त और साथी—बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने एक साथ रोजा इफ़्तार कर आपसी भाईचारे,और एकता का संदेश दिया तथा देश और दुनिया में अमन-शांति के लिए दुआ की।

इस अवसर पर युवा मुस्ताक खान, क्षेत्र पंचायत सदस्य हारुन खान, पूर्व जिला पंचायत जुमाई खान , युवा कार्यकर्ता वकील, रकीब, इकरार,

कल्लू चिकन, सरवर खान, इस्तिखार, सुफियान, समीम, नसीम, अतीक खान, छोट्टन हाजी, इसराइल खान ठेकेदार आदि हजारों की संख्यामे लोग मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे से मुलाकात कर रमजान की मुबारकबाद दी और समाज में प्रेम, सौहार्द व एकजुटता बनाए रखने का संदेश दिया।

इफ़्तार दावत के आयोजक सरवर खान व मुस्ताक खान ने कार्यक्रम में शामिल हुए सभी अतिथियों, बुजुर्गों और साथियों का तहेदिल से शुक्रिया अदा करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी मेल-मिलाप और भाईचारे को मजबूत करने का काम करते हैं।

इफ़्तार दावत का माहौल पूरी तरह रूहानी और भाईचारे से सराबोर रहा, जहाँ लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर रमजान की मुबारकबाद दी और अमन-चैन की दुआ की।

बैद्यनाथ आयुर्वेद परिवार का एक आधुनिक मॉडर्न वेलनेस और पर्सनल केयर ब्रांड, ट्रूसोल ने लॉन्च किया ट्रूहर्ब्स की रेंज

09 मार्च 2026: ट्रूसोल, बैद्यनाथ आयुर्वेद परिवार का एक आधुनिक

मॉडर्न वेलनेस और पर्सनल केयर ब्रांड, ने आज 'ट्रूहर्ब्स' रेंज के लॉन्च की घोषणा की। यह ट्रूसोल वेलनेस प्लेटफॉर्म के तहत पारंपरिक आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों की एक बेहद सोच-समझकर तैयार की गई और परिष्कृत पेशकश है। आज के स्वास्थ्य के प्रति जागरुक उपभोक्ताओं के लिए डिजाइन की गई इस रेंज में चार एकल-जड़ी-बूटी फॉर्मूलेशन शामिल हैं— अश्वगंधा, गोक्षुर, ब्राह्मी और हड़जोड़। इन्हें साफ-सुथरे और आधुनिक स्वरूप में पेश किया गया है, जो क्लासिक आयुर्वेदिक ज्ञान और आधुनिक जीवनशैली की जरूरतों के बीच संतुलन बनाते हैं।

ट्रूहर्ब्स रेंज को सावधानीपूर्वक चुनी गई जड़ी-बूटियों से विकसित किया गया है, जिन्हें उनके प्राकृतिक गुणों को संरक्षित रखने के लिए नियंत्रित परिस्थितियों में प्रोसेस किया जाता है। फॉर्मूलेशन की आवश्यकताओं के अनुसार, इन उत्पादों में सांद्रित और मानकीकृत अर्क शामिल हैं ताकि पौधे की प्राकृतिक विशेषताओं को बनाए रखते हुए उनके सक्रिय तत्वों में एकरूपता सुनिश्चित की जा सके। प्रत्येक बैच की शुद्धता, सुरक्षा और अवयवों की अखंडता के लिए कड़ी गुणवत्ता जांच की जाती है, और इनका निर्माण ऐसी सुविधाओं में किया जाता है जो गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस (जीएमपी) का पालन करती हैं और एफएसएसएआई आवश्यकताओं सहित सभी लागू नियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप हैं।

ट्रूहर्ब्स रेंज की प्रत्येक जड़ी-बूटियों को आयुर्वेदिक साहित्य में उनके विशिष्ट स्वास्थ्य लाभों के लिए पारंपरिक रूप से महत्व दिया गया है, जैसे तनाव संतुलन, सहनशक्ति और समग्र जीवन शक्ति के लिए अश्वगंधा, शक्ति, एंड्योरेंस और सक्रिय जीवनशैली के सहयोग के लिए गोक्षुर, संज्ञानात्मक स्वास्थ्य, एकाग्रता और मानसिक स्पष्टता के लिए ब्राह्मी, और हड्डियों तथा जोड़ों की मजबूती के लिए हड़जोड़।

मुख्य रूप से निवारक और लाइफस्टाइल संबंधित वेलनेस के लिए तैयार की गई ट्रूहर्ब्स रेंज को किसी विशेष बीमारी के उपचार के बजाय संतुलित जीवनशैली के पूरक के रूप में डिजाइन किया गया है। यह विशेष रूप से व्यस्त दिनचर्या वाले कामकाजी पेशेवरों, प्लांट-बेस्ड ताकत की तलाश करने वाले फिटनेस उत्साही लोगों, एकाग्रता और स्पष्टता को प्राथमिकता देने वाले छात्रों एवं बौद्धिक श्रम करने वालों और निवारक वेलनेस रूटीन में पारंपरिक जड़ी-बूटियों को शामिल करने के इच्छुक वयस्कों के लिए उपयुक्त है।

लॉन्च के दौरान बोलते हुए ट्रूसोल के सह-संस्थापक अधिराज शर्मा ने कहाः "पीढ़ियों से अश्वगंधा, ब्राह्मी, गोक्षुर और हड़जोड़ जैसी जड़ी-बूटियाँ भारतीय घरों में रोजमर्रा के स्वास्थ्य का हिस्सा थीं। हालाँकि, समय के साथ जैसे-जैसे जीवनशैली तेज और अधिक शहरी होती गई, वह मेल-जोल धीरे-धीरे कम होता गया। सुविधा ने परंपरा की जगह ले ली और कहीं न कहीं हमने इनका उपयोग करना बंद कर दिया। ट्रूहर्ब्स के साथ हम इन सदियों पुरानी जड़ी-बूटियों को वापस रोजमर्रा की जिंदगी में लाना चाहते थे – न केवल पुरानी यादों के कारण, बल्कि लोगों को प्राकृतिक वेलनेस से इस तरह से फिर से जुड़ने में मदद करने के लिए जो सहज, प्रामाणिक, सुलभ और एक स्वस्थ, अधिक संतुलित जीवनशैली के अनुरूप महसूस हो।"

इसी विजन को दोहराते हुए, ट्रूसोल के सह-संस्थापक ऋषि राज शर्मा ने कहाः "हम एक ऐसी विरासत से आते हैं जो जड़ी-बूटियों को केवल सामग्री के रूप में नहीं, बल्कि दैनिक स्वास्थ्य के एक अभिन्न अंग के रूप में देखती है। साथ ही, हम यह भी समझते हैं कि आज के उपभोक्ता जागरूक हैं और शुद्धता, पारदर्शिता व निरंतरता की अपेक्षा रखते हैं। ट्रूहर्ब्स के साथ, हम आयुर्वेद की कुछ सबसे

उत्तर प्रदेश बनेगा सौर उर्जा निवेश का हब 7-9 मई को

लखनऊ में होगा यूपी एनर्जी एक्सपो 2026 का आयोजन

कानपुर, 9 मार्च 2026 (सोमवार): उत्तर प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ढलऊ्उक) और फर्स्ट व्यू ने यूपीनेडा, उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम किया है।

उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना पर एक वढए प्री-इवेंट जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन, कानपुर में किया। इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के हितधारकों ने भाग लिया और सौर ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते अवसरों, नीतियों और संभावनाओं पर चर्चा की।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दीक्षा जैन, आईएएस, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ), कानपुर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना और पीएम कुसुम योजना जैसे प्रयास घरों, किसानों और उद्योगों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, जिससे सतत विकास और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती मिल रही है।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए , अतुल श्रीवास्तव, सीनियर रीजनल डायरेक्टर, ढलऊ्उक ने बताया कि यूपी एनर्जी एक्सपो 2026 का आयोजन 7 से 9 मई 2026 तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया जाएगा, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारक एक मंच पर आएंगे।

उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय एक्सपो में भारत और विदेशों से 150 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे तथा 10 विशेष सत्र और 60 से अधिक वक्ता नई तकनीकों, नीतियों और निवेश के अवसरों पर चर्चा करेंगे।

वी.के. वर्मा, संयुक्त निदेशक, टरटए, ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के लिए सौर ऊर्जा अपनाना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उद्योगों की लागत कम हो सकती है और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा।

अंजनीश प्रताप सिंह, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र (उ्रऊ), कानपुर ने कहा कि सौर ऊर्जा उद्योगों के लिए किफायती होती जा रही है और इससे राज्य तथा देश के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। सुदीप गोयनका, निदेशक, गोल्डी ग्रुप लि. ने कहा कि सौर ऊर्जा में असीम संभावनाएं हैं ,ऊर्जा का इससे बेहतर विकल्प नहीं हो सकता।

इस अवसर पर राजेश कुमार पांडेय, परियोजना प्रबंधक, वढठएऊ्र, कानपुर, ने पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना और पीएम कुसुम योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत सौर ऊर्जा अपनाने में उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में से एक बनने की क्षमता रखता है और इसमें अपार संभावनाएँ हैं। अनुराग मिश्रा, कानपुर ब्रांच हेड, डएक इंडस्ट्रीज, ने भी नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते अवसरों पर अपने विचार साझा किए।

पराग मिश्रा, यूपी एनर्जी एक्सपो 2026 के प्रोग्राम कन्वीनर, ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा के भविष्य को मजबूत बनाने के लिए यह एक्सपो एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। उन्होंने कहा कि ढलऊ्उकने इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जागरूक किया है ताकि अधिक से अधिक लोग पीएम सूर्य घर योजना को अपनाएँ, इसमें भाग लें और इसका लाभ उठाएँ। यूपी एनर्जी एक्सपो 2026 का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा निवेश का प्रमुख केंद्र बनाना है। राज्य में बढ़ते सौर ऊर्जा लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए यह एक्सपो रूफटॉप सोलर, बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स तथा कमर्शियल एवं इंडस्ट्रियल सोलर समाधान को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करेगा।

इस एक्सपो में यूपी ईवी एक्सपो, यूपी स्मार्ट ग्रिड एक्सपो और यूपी स्टोरेज एक्सपो जैसे विशेष खंड भी शामिल होंगे, जिनमें इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, स्मार्ट ग्रिड तकनीक और ऊर्जा भंडारण से जुड़े नवीन समाधान प्रदर्शित किए जाएंगे।

नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) ने गेट्स फाउंडेशन और डालबर्ग के साथ मिलकर ग्रामीण भारत में कृषि संबंधी जानकारी और समाधान विकसित करने के लिए नेशनल क्लाइमेट फिजियोलॉजी इनोवेशन चैलेंज की शुरूआत की

६ मार्च २०२६ से इनोवेटर्स के लिए आवेदन खुले हैं, ताकि वे निकट-अवधि के जलवायु जोखिम पूर्वानुमान मॉडल और व्यावहारिक डैशबोर्ड विकसित कर सकें। शीर्ष तीन टीमों को क्रमशः ₹15 लाख, ₹10 लाख और ₹5 लाख के पुरस्कार दिए जाएंगे।

9 मार्च, 2026:* राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने गेट्स फाउंडेशन और डलबर्ग एडवाइजर्स के सहयोग से राष्ट्रीय जलवायु स्टैक इनोवेशन चैलेंज की शुरूआत की घोषणा की है। यह एक राष्ट्रीय पहल है जिसका उद्देश्य ग्रामीण भारत के लिए राष्ट्रीय जलवायु स्टैक की मूलभूत परतों का निर्माण करके भारत की जलवायु लचीलापन संरचना को मजबूत करना है।

इस चैलेंज के लिए आवेदन खुले हैं और इसकी विस्तृत जानकारी ँ३३स्र२://६६६.ॅ'ेशी२३ू.ंल्ललड्ढ५ं३ङ्क्ल लूॅ''ील्लीॅ.ड्ढ्र/ पर उपलब्ध है।

भारत में जलवायु संबंधी जोखिम तेजी से बढ़ रहे हैं। हीटवेव, बाढ़, सूखा और चक्रवात कृषि और ग्रामीण आजीविका पर लगातार बढ़ता दबाव डाल रहे हैं।

हालाँकि जलवायु से संबंधित डेटा की उपलब्धता में सुधार हुआ है, लेकिन निकट अवधि के जोखिमों का पूर्वानुमान अभी भी अलग-अलग डेटा सेट और अलग-थलग मॉडलों में बिखरा हुआ है। मौजूदा जोखिम प्रबंधन प्रणालियाँ अभी भी काफी हद तक प्रतिक्रियात्मक बनी हुई हैं, जो भविष्य को ध्यान में रखकर बनाई गई, परस्पर जुड़ी और निर्णय लेने के लिए तैयार जलवायु जानकारी की आवश्यकता को दशार्ती हैं।

इस अवसर पर नाबार्ड के अध्यक्ष डॉ. शाजी ने कहा, नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) ने कहा, 'राष्ट्रीय स्तर पर हमने जलवायु डेटा के संग्रह और विश्लेषण में वास्तव में काफी लंबा सफर तय किया है। चुनौती यह है कि ये सभी डेटा सेट अलग-अलग वेबसाइटों पर अलग-थलग पड़े हुए हैं। नेशनल क्लाइमेट स्टैक इनोवेशन चैलेंज का उद्देश्य देश के श्रेष्ठ दिमागों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि वे ऐसा समाधान विकसित करने में हमारी मदद करें जो इन सभी डेटा स्रोतों को सहज रूप से एक साथ जोड़ सके।

इसका बड़ा उद्देश्य एक ऐसा तकनीकी समाधान विकसित करना है जो जलवायु डेटा को वास्तव में लोकतांत्रिक बनाए ऐसे तरीके से, जैसा अब तक नहीं किया गया है। इस प्रकार यह पहल माननीय प्रधानमंत्री के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें तकनीक का उपयोग करके अधिक सक्षम और लचीला ग्रामीण भारत बनाने की बात कही गई है।'

भारतीय अब अपनी भाषा में यात्रा की खोज करने लगे हैं : मेकमायट्रिप

लखनऊ। भारत की प्रमुख ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी मेकमायट्रिप ने आज अपने जेन-एआई आधारित ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट मायरा से मिले कुछ शुरूआती रुझान साझा किए हैं।

ये संकेत देते हैं कि भारतीय यात्री अब वॉइस के माध्यम से किस तरह से इंटरैक्ट करना शुरू कर रहे हैं और इसमें एक नया व्यवहारिक रुझान उभर रहा है। मायरा का यूजर बेस अभी बढ़ रहा है और इस पर रोजाना 50,000 से अधिक बातचीत हो रही है, लेकिन शुरूआती आंकड़े बताते हैं कि वॉइस सर्च लोगों को अपनी बात ज्यादा खुलकर, संदर्भ के साथ और अपनी पसंदीदा भाषा में रखने का मौका दे रहा है। यह तरीका टेक्स्ट के जरिए सर्च करने के पारंपरिक तरीके से काफी अलग और स्वाभाविक है।

मेकमायट्रिप के सह-संस्थापक और ग्रुप सीईओ, राजेश मागो ने कहा मायरा के जरिए हमें जो शुरूआती संकेत मिल रहे हैं, वे काफी उत्साहजनक हैं। वॉइस सर्च अब उन लोगों को यात्रा खोजने और उसकी योजना बनाने का एक अधिक स्वाभाविक तरीका दे रहा है, जो अपनी भाषा में ज्यादा सहज महसूस करते हैं। कोच्चि या कोयंबटूर जैसे शहरों में रहने वाले लोग अगर मलयालम या तमिल में सोचते हैं, तो अपनी जरूरतें सीधे बोलकर बताना (बजाय इसके कि उन्हें अंग्रेजी में टाइप करें), उनके अनुभव को पूरी तरह से बदल देता है। अभी तो यह सिर्फ शुरूआत है, लेकिन ये संकेत बताते हैं कि वॉइस सर्च भविष्य में पूरे भारत में यात्रा की योजना बनाने के तरीके को और भी समावेशी और सुलभ बना सकता है।

वॉइस और टेक्स्ट सर्च के बीच बढ़ता अंतर : इस्तेमाल के शुरूआती पैटर्न में ही यह साफ दिखने लगा है कि लोग टाइप करते समय और बोलकर अपनी बात रखते समय अलग तरह का व्यवहार करते हैं। ज्यादातर टेक्स्ट सर्च आमतौर पर 3-4 शब्दों के छोटे, संक्षिप्त और सीधे कीवर्ड वाले होते हैं, जैसे गोवा होटल्स चीप या दिल्ली मुंबई फ्लाइट। वहीं, वॉइस सर्च का तरीका काफी अलग नजर आ रहा है। लगभग 23प्रतिशत वॉइस क्वेरी 11 शब्दों से ज्यादा लंबी होती हैं, जबकि टेक्स्ट सर्च में ऐसा केवल 7प्रतिशत मामलों में होता है। बोलते समय लोग स्वाभाविक रूप से एक ही वाक्य में कई चीजें बता देते हैं जैसे जगह की लोकेशन, होटल की सुविधाएँ, बजट, साथ में कितने लोग हैं और यात्रा की तारीखें। उदाहरण के तौर पर लोग इस तरह पूछ रहे हैं: नार्थ गोवा में बीच के पास पूल वाला किफायती होटल दिखाइए या 2 वयस्क और एक बच्चा, 14 जनवरी से 3 रात, बजट 15,000 रुपये प्रति रात से कम।

कई सर्च श्रेणियों में शुरूआती आंकड़े बताते हैं कि वॉइस का इस्तेमाल टेक्स्ट के मुकाबले काफी ज्यादा हो रहा है। तारीखों से जुड़ी सर्च में यह अंतर सबसे ज्यादा है, जो वॉइस पर टेक्स्ट की तुलना में 3.3 गुना अधिक है। लोग टाइप करते समय तारीखों को बहुत छोटा और संक्षिप्त (जैसे 26-29 दिसंबर) लिखते हैं जबकि बोलते समय वे स्वाभाविक तरीके से कहते हैं 26 दिसंबर से 29 दिसंबर तक या अगले शुक्रवार से रविवार तक।

गोमतीनगर के महात्मा गांधी पार्क मे अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पुरस्कृत कार्यक्रम का आयोजन किया गया

लखनऊ गोमतीनगर के महात्मा गांधी पार्क मे अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पुरस्कृत कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम के संयोजक-विजय कुमार राय प्रदेश महामंत्री, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद,उ०प्र०। एवम् अध्यक्षता विश्राम त्रिपाठी एडवोकेट विशेष सहयोग-रमेशचन्द्र त्रिपाठी,रामचन्द्र शुक्ला ,शंकर सुमन आदि उपस्थित रहे महिलाएँ शशि श्रीवास्तव,सुनीता जोशी,अन्जू डे ,विमला राय,कल्पना ,शिप्रा,पूनम ,शिखा,नीना यादव,गीता कुशवाहा आदि महिलाएँ सम्मानित हुईं ।

कौशांबी कारारी क्षेत्र गौहानी और पवैया गैस एजेंसी में हाहाकार यहाँ उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी

कौशाम्बी के करारी क्षेत्र के गव्हानि एजेंसी घरेलू गैस सिलेंडर की भीषण किल्लत, उपभोक्ता परेशान

कौशाम्बी (उत्तर प्रदेश): उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी जिले के करारी क्षेत्र के इन दिनों घरेलू गैस सिलेंडर की भारी कमी से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। रसोई गैस की इस किल्लत ने आम जनमानस, खासकर गृहिणियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कई दिनों से सिलेंडर खत्म होने के बाद भी लोगों को नया सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है, जिससे उन्हें लकड़ी, मिट्टी का तेल या अन्य वैकल्पिक ईंधन पर निर्भर रहने को मजबूर होना पड़ रहा है।

सप्लाई ठप, एजेंसी पर निराशा हाथ

स्थानीय गैस एजेंसी के बाहर सुबह से ही सिलेंडर लेने के लिए लोगों की भीड़ लगी रहती है, लेकिन उन्हें बार-बार खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। आक्रोशित उपभोक्ताओं का कहना है कि एजेंसी संचालक कोई ठोस जानकारी नहीं दे पा रहे हैं और

न ही सिलेंडर उपलब्ध करा पा रहे हैं।

स्थानीय निवासी पूनम कुमारी देवी ने बताया, "हमारा सिलेंडर तीन दिन पहले खत्म हो गया। बुकिंग कर दी, लेकिन अब तक सिलेंडर नहीं मिला। आज सुबह से एजेंसी के चक्कर लगा रही हूं, पता नहीं कब मिलेगा। बच्चों के लिए खाना बनाना मुश्किल हो गया है।"

एक अन्य उपभोक्ता रफैल अहमद ने कहा, "कई बार एजेंसी वालों से संपर्क किया, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है। कहा जा रहा है कि प्लांट से सप्लाई नहीं आ रही। सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए।"

क्या है वजह?

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यह समस्या मुख्य रूप से अमेरिका और ईरान की जंग से गैस सिलेंडर की आपूर्ति न हो पाने के कारण उत्पन्न हुई है। सूत्र के मुताबिक बताया जा रहा है कि जिस बॉटलिंग प्लांट से इस क्षेत्र में गैस सिलेंडर भेजे जाते हैं, वहां तकनीकी खराबी या परिवहन व्यवस्था में गड़बड़ी के चलते सप्लाई बाधित हुई है। हालांकि, एजेंसी संचालकों की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि विदेश में जंग के कारण यह संकट पैदा हो राहि है

कौशाम्बी के करारी क्षेत्र गौहानी पवैया में गैस सिलेंडर की यह कमी एक गंभीर समस्या बन गई है, जिससे हजारों परिवार प्रभावित हो रहे हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

अनुमान लगा रहा विश्व कितने कि दिन चलेगा इजराइल इरान युद्ध

डोनाल्ड ट्रंप ने ईंरान के खिलाफ तो नेतन्याहू के उकसावे पर युद्ध तो शुरू कर दिया पर उन्हें यह अंदाजा नहीं था कि यह लड़ाईं लम्बी और महंगी पड़ सकती है। जो संघर्ष चार दिन में खत्म होने की भविष्यवाणी की जा रही थी वह आज दसवें दिन भी खत्म होना तो दूर की बात वह बढ़ती जा रही है। अमेरिका को सैनिकों की मौत और आर्थिक मार मार झेलनी पड़ रही है जिसका उसने कभी अनुमान भी नहीं लगाया होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने अब संकेत दिया है कि ईंरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की यह लड़ाईं 4-5 हफ्ते तक चल सकती है। वाशिगटन स्थित थिंक टैंक सीएसआईंएस और व्रिस पार्व द्वारा किए गए विश्लेषण के अनुसार ईंरान के खिलाफ ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत जंग के पहले 100 घंटों में अमेरिका को लगभग 3.7 अरब डॉलर (करीब 31,000 करोड़ रुपए) खर्च उठाना पड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार युद्ध के शुरूआती 100 घंटों में अमेरिका का औसत खर्च लगभग 891 मिलियन डॉलर प्रातिदिन यानि करीब 90 करोड़ डॉलर रोज रहा है। शुरूआती चरण में सबसे अधिक खर्च महंगी मिसाइलों, हथियारों और बमों के इस्तेमाल पर हुआ है, इसलिए शुरूआती दिनों में लागत सबसे अधिक है। थिक टैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि 1.7 अरब डॉलर पैट्रियट जैसे एयर डिपेंस इंटरसेप्टर सिस्टम पर खर्च किए गए हैं जबकि 1.5 अरब डॉलर मिसाइलों और अन्य आव्रमक हथियारों पर किए गए हैं। इसके अलावा 125 मिलियन डॉलर लड़ावू विमानों और हवाई अभियानों के परिचालन पर खर्च किए गए हैं। सीएसआईंएस के मुताबिक खर्च में से केवल लगभग 200 बिलियन डॉलर ही पहले से अमेरिकी रक्षा बजट में शामिल था जबकि करीब 3.5 अरब डालर का खर्च अतिरिक्त है, जिसके लिए अलग से पंड की जरूरत पड़ सकती है। इसका मतलब है कि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय को जल्द ही युद्ध जारी रखने के लिए अतिरिक्त बजट की मांग करनी पड़ सकती है। इसके अलावा कतर, जार्डन, यूएईं में जो एयर डिपेंस के रडार व अन्य यंत्र जो तबाह हुए हैं जिनकी कीमत अरबों डॉलर रही है का तो हिसाब ही नहीं है। रिपोर्ट का अनुमान है कि युद्ध के पहले 100 घंटों में अमेरिका के 2000 से अधिक प्राकार के हथियार और मिसाइलों का इस्तेमाल किया है। इन हथियारों के स्टाक को दो बार भरने में लगभग 3.1 अरब डॉलर खर्च हो सकते हैं। थिक टैंक ने अपने आंकलन में कहा है कि युद्ध का मानवीय नुकसान भी तेजी से बढ़ रहा है। ईंरान में ही लगभग 1500 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 180 छोटी बच्चियां भी शामिल हैं जिनके स्वूल पर अमेरिका ने बहरीन से बम मारा। अमेरिका के कितने सैनिक मरे हैं यह संख्या भी बहुत हो सकती है। अमेरिका ने फिलहाल 6-7 सैनिकों के मरने की पुष्टि की है। पर ईंरानी दावा कर रहे हैं कि यह संख्या सैंकड़ों में है। खर्च के अलावा, वुवैत में प्रोंडली फायर की घटना में तीन अमेरिकी एफ-15 लड़ावू विमान गिर गए। बता दें कि एक एफ-15 अत्याधुनिक फाइटर जेट की कीमत लगभग 800 करोड़ रुपए है। ईंरान पर हमला करते वक्त अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप ने शायद यह सोचा भी नहीं होगा कि यह जंग उसे कितनी महंगी पड़ेगी। लड़ाईं लंबी खिचने और ईंरानी जवाबी कार्रवाईं ने ट्रंप की नींद उड़ा रखी है। आए दिन वह धमकियों पर उतर आए हैं। ट्रंप पंस तो गए हैं पर बाहर वैसे निकलें ये उन्हें समझ नहीं आ रहा है। खर्च के अलावा अंदरूनी राजनीतिक दबाव, एपस्टीन फाइल, सहयोगी अरब मुल्कों का दबाव यह सब अमेरिका और ट्रंप पर भारी पड़ रहा है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत की अंतरिक्ष, परमाणु और रणनीतिक खनिज क्षमताओं को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी का दौरा किया

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा - भारत की अंतरिक्ष, परमाणु और अन्य वैज्ञानिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने से छात्रों की योग्यता को प्रज्वलित करने और उनकी आंतरिक प्रतिभा की खोज करने में मदद मिलती है

अंतरिक्ष प्रक्षेपण प्रणालियों से लेकर थोरियम कार्यक्रम तक: प्रदर्शनी भारत के विज्ञान और ऊर्जा रोडमैप को दशार्ती है

डॉ जितेंद्र सिंह ने आयोजकों को सलाह दी कि वे इस प्रदर्शनी में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के दौरे की व्यवस्था करें और प्रदर्शनियों के लघु सोशल मीडिया संस्करण तैयार करने का भी प्रयास करें

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, 9 मार्चः केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान और प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि भारत की अंतरिक्ष, परमाणु और अन्य वैज्ञानिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने से छात्रों की योग्यता और उनकी आंतरिक प्रतिभा की खोज करने में मदद मिलती है।

डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, परमाणु ऊर्जा विकास और रणनीतिक खनिज अन्वेषण में भारत की प्रगति को दिखाने वाली एक प्रदर्शनी के दौरे पर थे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने आयोजकों को सलाह दी कि वे इस प्रदर्शनी में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के दौरे की व्यवस्था करें और प्रदर्शनियों के लघु सोशल मीडिया संस्करण तैयार करने का भी प्रयास करें।

प्रदर्शनी में प्रक्षेपण यानों, उपग्रह प्रणालियों और मानव अंतरिक्ष उड़ान पहलों में भारत की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया। प्रस्तुत की गई जानकारी में देश के प्रक्षेपण यान के बेड़े को प्रदर्शित किया गया। इसमें ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान, भू-समकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान और एलवीएम3 हेवी-लिफ्ट रॉकेट शामिल हैं। यह भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम का समर्थन करते हैं। भारत ने सौ से अधिक प्रक्षेपण मिशन आयोजित किए हैं। इसमें संचार, नेविगेशन, पृथ्वी अवलोकन और वैज्ञानिक अनुसंधान का समर्थन करने वाले सैकड़ों उपग्रहों को तैनात किया गया है।

इन सामग्रियों ने अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए भारत के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया। इसमें मानव अंतरिक्ष उड़ान प्रणाली, चालक दल और सेवा मॉड्यूल का विकास और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की अवधारणा शामिल है। इसे भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के रूप में जाना जाता है। इसका उद्देश्य पृथ्वी की निचली कक्षा में निरंतर मानव उपस्थिति को सक्षम करना और माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान की सुविधा प्रदान करना है। देश के व्यापक अंतरिक्ष रोडमैप के हिस्से के रूप में चंद्र अन्वेषण, गहरे अंतरिक्ष अध्ययन और उपग्रह-आधारित सेवाओं के विस्तार से संबंधित भविष्य के मिशनों को रेखांकित किया गया।

भारत के उपग्रह अनुप्रयोग इकोसिस्टम को मौसम पूवार्नुमान, नेविगेशन प्रणाली, संचार नेटवर्क, आपदा प्रबंधन और कृषि निगरानी सहित शासन और विकास का समर्थन करने वाली सेवाओं के उदाहरणों के माध्यम से भी परिलक्षित किया गया था।

अंतरिक्ष कार्यक्रम के साथ-साथ, प्रदर्शनी में भारत की परमाणु ऊर्जा वास्तुकला और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा का समर्थन करने के लिए अपने खनिज संसाधनों का उपयोग करने के लिए देश की रणनीति को दिखया गया। प्रस्तुत की गई जानकारी में झारखंड, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक सहित कई राज्यों के साथ-साथ हिमालयी क्षेत्र के क्षेत्रों में यूरेनियम युक्त भूवैज्ञानिक संरचनाओं के वितरण का मानचित्रण किया गया है। यहां भूवैज्ञानिक अन्वेषण के माध्यम से यूरेनियम भंडार की पहचान की गई है।

देश के तीन चरणों वाले परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को भारत के थोरियम भंडार का लाभ उठाते हुए सीमित घरेलू यूरेनियम संसाधनों का उपयोग करने के लिए एक दीर्घकालिक रणनीति के रूप में भी समझाया गया था। पहला चरण प्राकृतिक यूरेनियम ईंधन का उपयोग करते हुए दाबित भारी पानी रिएक्टरों पर आधारित है, दूसरा चरण फास्ट ब्रीडर रिएक्टरों पर केंद्रित है जो खपत की तुलना में अधिक आण्विक सामग्री उत्पन्न करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। तीसरे चरण में थोरियम आधारित ईंधन चक्रों का उपयोग करने में सक्षम उन्नत रिएक्टर प्रणालियों की परिकल्पना की गई है।

भारत के तटीय खनिज संसाधनों से संबंधित जानकारी ने देश के लगभग 11,000 किलोमीटर के समुद्र तट के साथ आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण भारी खनिजों की उपस्थिति को रेखांकित किया। इनमें इल्मेनाइट, रूटाइल, जिक्रोन, मोनाजाइट, गार्नेट और सिलिमेनाइट शामिल हैं। यह तटीय प्लेसर जमा में पाए जाते हैं। परमाणु खनिज अन्वेषण और अनुसंधान निदेशालय इन भंडारों की औद्योगिक और रणनीतिक क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए व्यवस्थित अन्वेषण और मूल्यांकन करता है।

प्रदर्शनी में भारत के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े परमाणु अनुसंधान संस्थानों, ईंधन चक्र सुविधाओं और बिजली उत्पादन के बुनियादी ढांचे के भौगोलिक प्रसार को भी दशार्या गया। यह ऊर्जा उत्पादन, सामग्री अनुसंधान और उन्नत वैज्ञानिक कार्यों का समर्थन करने में इन संस्थानों की भूमिका को दशार्ता है।

भारत के अंतरिक्ष और परमाणु कार्यक्रम देश के वैज्ञानिक और तकनीकी विकास के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। जबकि अंतरिक्ष क्षेत्र संचार, नेविगेशन, पृथ्वी अवलोकन और उभरती वाणिज्यिक अंतरिक्ष गतिविधियों में अपनी भूमिका का विस्तार करना जारी रखता है। परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम कम कार्बन ऊर्जा क्षमता और तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूत करते हुए बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत की दीर्घकालिक रणनीति के केंद्र में बना हुआ है।

कलर्स ने डिजिटल स्कैम्स के दौर में प्यार को नया ताजगीभरा रंग दिया अपने प्राइमटाइम ड्रामा 'दो दुनिया एक दिल' के साथ @ रात 9:00 बजे

आज की दुनिया में सब कुछ बस एक क्लिक पर है—शॉपिंग, डेटिंग, कनेक्शन और धोखाधड़ी भी। ज़िंदगी स्क्रीन और असल पलों के बीच खेली जाती है। प्यार ऊ्टर२ में शुरू हो सकता है, लेकिन सच्चाई बिना फि ल्टर सामने आती है। इसी ऑनलाइन और ऑफलाइन दुनिया के बीच के फर्क को दिखाते हुए कलर्स लेकर आया है 'दो दुनिया एक दिल', एक दिलचस्प प्रेमकथा जिसमें वर्चुअल वैलिडेशन और असली जज्बात आमने-सामने आते हैं। एसओएल प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित इस शो में विक्रम सिंह चौहान शिवाय के किरदार में, राची शर्मा आध्या के रूप में और सुधांशु पांडे बलदेव सिंह के रूप में नजर आएंगे। 'दो दुनिया एक दिल' सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सिर्फ कलर्स और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगा।

इस ड्रामा के केंद्र में है शिवाय कन्नौज शहर का एक तेज-तर्रार, खुद से बना टेक उद्यमी, जिसने कभी विश्वास किया था कि इंटरनेट ज़िंदगियाँ बदल सकता है। लेकिन एक धोखाधड़ी ने उसकी मेहनत की कमाई छीन ली और डिजिटल दुनिया पर उसका भरोसा तोड़ दिया। इसी हादसे ने उसे स्क्रीन से दूर कर दिया और उसने ठान लिया कि अब वह कुछ असली तलाश करेगा। इसके बिल्कुल उलट है आध्या एक करिश्माई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, जिसकी ज़िंदगी रील्स, रीच और रिलवेंस पर टिकी है। उसके लिए दिखना ही ताकत है और ऑनलाइन दुनिया ही उसका घर। जब किस्मत दोनों को आमने-सामने लाती है, तो चिंगारियाँ उठती हैं और मोहब्बत परवान चढ़ती है। लेकिन शिवाय को इस सच्चाई का अंदाजा नहीं है कि आध्या दरअसल बलदेव सिंह की बेटी है आगरा का सबसे ताकतवर बिल्डर, जिसकी पकड़ शहर पर हावी है और जिसकी परछाई शिवाय की ज़िंदगी पर भी गहरी है। ताजमहल की सदाबहार विरासत की पृष्ठभूमि में यह रोमांस खुलता है—जहाँ शान-ओ-शौकत, महत्वाकांक्षा और हाई-स्टेक्स ड्रामा साथ चलते हैं। जैसे-जैसे जुनून गहराता है और राज सामने आते हैं, 'दो दुनिया एक दिल' एक दिलचस्प कहानी बुनता है—प्यार और टकराव की, जहाँ ऑनलाइन दुनिया की बनाई हुई पहचान और ऑफलाइन दुनिया की सच्चाई के बीच की नाजुक रेखा पर रिश्ते चलते हैं।

इस केंद्रीय थीम को आगे बढ़ाते हुए, कलर्स ने भारतीय साइबरक्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (क्ल४उ) के साथ साझेदारी की है और अपने नए शो 'दो दुनिया एक दिल' के जरिए पहली बार एक अनोखा साइबरक्राइम जागरूकता अभियान शुरू किया है। ऑन-स्क्रीन अलट्र्स दर्शकों को साइबर फ्रॉड की शिकायत दर्ज करने के लिए 1930 पर कॉल करने या ूटी१ू१ी.ङ्ग५.ल्ल पर जाने के लिए प्रेरित करेंगे। ग्राउंड और डिजिटल एक्टिवेशन्स उन भावनात्मक ट्रिगर्स को दोबारा रचते हैं जिनका इस्तेमाल ठग लोग करते हैं—जैसे जल्दबाजी, जिज्ञासा और भरोसा—ताकि दर्शक असली खतरों को तुरंत पहचान सकें। एक सीरीज ऑफ अवेयरनेस फि ल्म्स भारत में सबसे आम ठगी के तरीकों को सामने लाती है—डळढ फ्रॉड, पहचान छिपाकर धोखा देना, खतरनाक लिंक और बहुत कुछ। इन फि ल्मों के जरिए दर्शकों को व्यावहारिक टूल्स दिए जाते हैं ताकि वे सुरक्षित रह सकें।

जियोस्टार के प्रवक्ता आलोक जैन ने कहा, 'कलर्स में कहानी कहने का अंदाज हमेशा हमारी दुनिया की सच्चाइयों को दशार्ता रहा है। 'दो दुनिया एक दिल' हमारी बढ़ती डिजिटल ज़िंदगी की जटिलताओं को सामने लाता है और इसी कहानी के जरिए हम समाज में फैले आम ठगी के तरीकों पर जागरूकता बढ़ाना चाहते थे। साथ ही, यह शो पूरी तरह से असलियत में जड़ें जमाए हुए है। अपनी कहानी और विजुअल्स के जरिए हम दर्शकों को कन्नौज की असली पहचान दिखा रहे हैं उसकी संस्कृति और गलियों से लेकर उसके मशहूर इत्र की विरासत तक ताकि देशभर के दर्शक इस ऐतिहासिक शहर की रूह को स्क्रीन पर महसूस कर सकें। क्ल४उ जैसे मजबूत संस्थान के साथ हेल्पलाइन जानकारी और जागरूकता अभियानों को काल्पनिक दुनिया में सहजता से जोड़कर हम ऐसा असर बना रहे हैं जो स्क्रीन से कहीं आगे तक जाता है। हिंदी जनरल एंटरटेनमेंट चैनल्स में अग्रणी होने के नाते हम मानते हैं कि भरोसे के साथ ज़िम्मेदारी भी आती है। जब मनोरंजन जानकारी भी देता है और जोड़ता भी है, तो उसमें असली बदलाव लाने की ताकत होती है।'

क्ल४उ के निदेशक निशांत कुमार ने कहा, 'साइबरक्राइम अब कोई दूर या तकनीकी चीज नहीं रह गया है; यह हमारी रोजमर्रा की ज़िंदगी का खतरा बन चुका है। एक क्लिक से ही वित्तीय नुकसान, इज्जत और भरोसा दांव पर लग सकता है, लेकिन लगातार सतर्क रहकर इसे रोका जा सकता है। जब मनोरंजन सामाजिक ज़िम्मेदारी को अपनाता है, तो वह असली दुनिया के व्यवहार को आकार देता है। हमें खुशी है कि कलर्स, जो देशभर के लाखों घरों तक पहुँचता है, अपना नया शो 'दो दुनिया एक दिल' लॉन्च कर रहा है ताकि साइबरक्राइम के खिलाफ सार्थक जागरूकता फैलाई जा सके। हम सभी से अपील करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध धोखाधड़ी की तुरंत रिपोर्ट 1930 पर कॉल करके या ूटी१ू१ी.ङ्ग५.ल्ल पर जाकर करें—तेज कार्रवाई ही सबसे बड़ा फर्क लाती है।' विक्रम सिंह चौहान (शिवाय) ने कहा, 'शिवाय मानता है कि ईमानदारी से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। वह डिजिटल दुनिया में कुछ असली चाहता है, जहाँ हर पल हकीकत को एडिट किया जाता है। मुझे पूरा यकीन है कि देशभर के अनगिनत लोग उससे जुड़ाव महसूस करेंगे। उसकी कहानी उस सच्चाई को पकड़ती है जिसका सामना कई परिवारों ने किया है या करने से डरते हैं—ठगी, गलत जानकारी और डिजिटल शोषण सिर्फ. पैसे नहीं चुराते, वे सुकून छीन लेते हैं और गहरी चोट पहुँचाते हैं। शिवाय दिल से एक कवि है, जो ध्यान खींचने की बजाय वर्तमान में जीना और भावनाओं को महसूस करना पसंद करता है। लेकिन उसकी हर ठानी हुई बात को आध्या चुनौती देती है। दर्शक एक हाई-वोल्टेज प्रेमकथा का अनुभव करेंगे, जो यह सवाल उठाती है कि क्या रोमांस उस दौर में टिक सकता है जहाँ ध्यान आकर्षित करना ही सबसे बड़ा जुनून बन चुका है।'

राची शर्मा (आध्या) ने कहा, 'इन्फ्लुएंसर्स का जबरदस्त उभार हुआ है और आध्या उसी दुनिया से सहज रूप से जुड़ी है। उसे एल्गोरिद्म की समझ है, लाइक्स और विज़िबिलिटी की करेंसी का महत्व पता है। लेकिन अक्सर उसकी पीढ़ी को कठोरता से जज किया जाता है। सच्चाई यह है कि आज कई युवाओं के लिए डिजिटल स्पेस ही वह जगह है जहाँ वे अपनी आवाज और आर्थिक स्वतंत्रता खोजते हैं। आध्या के लिए यह और भी व्यक्तिगत है—वह एक अस्थिर परिवार से आती है और ऑनलाइन यूनिवर्स उसके लिए एक तरह का सहारा बन जाता है। लेकिन जिस चीज के लिए वह तैयार नहीं है, वह है ऐसा प्यार जो उसे उसके फोन, उसके फीड और वैलिडेशन की जरूरत से दूर कर देता है। दर्शक दो बिल्कुल विपरीत सोच रखने वाले लोगों की बिजली जैसी केमिस्ट्री देखेंगे, जो यह कोशिश कर रहे हैं कि प्यार को कामयाब बनाया जा सके।' सुधांशु पांडे (बलदेव सिंह चौहान) ने कहा, 'बलदेव ऐसा इंसान है जो सिस्टम को बहुत अच्छी तरह समझता है और उसके ग्रे एरिया में काम करना जानता है। उसे खास तौर पर असहज बनाने वाली बात यह है कि वह खुद को गलत नहीं मानता, बल्कि ईमानदारी से विश्वास करता है कि वह बस सिस्टम को दूसरों से बेहतर खेल रहा है। लेकिन इसके पीछे एक गहरी कहानी भी है जिसने उसकी सोच और उसके फैसलों को आकार दिया है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ेगी, दर्शक धीरे-धीरे जान पाएंगे कि उसे वह इंसान बनने के लिए किन हालातों ने मजबूर किया, और मुझे लगता है कि यह सफर देखना बेहद दिलचस्प होगा।'

प्यार ने भेजा है नोटिफिकेशनङ्घपर विलेन की बेटी के साथ कैसे जुड़ेगा कनेक्शन? देखिए 'दो दुनिया एक दिल', सोमवार से शुक्रवार रात 9:00 बजे, सिर्फ. कलर्स और जियोहॉटस्टार

भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तैयारियों की समीक्षा की

(जीएनएस)।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार ने निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर आज कोलकाता में आगामी पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के लिए तैयारियों की विस्तृत और व्यापक समीक्षा की।

समीक्षा दौरे के समय, आयोग ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों जैसे आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और नेशनल पीपुल स पार्टी के प्रतिनिधियों और राज्य के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों जैसे अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की और उनके सुझाव मांगे।

अधिकांश राजनीतिक दलों ने पश्चिम बंगाल राज्य में निर्वाचन आयोग द्वारा किए जा रहे एसआईआर की व्यापक प्रक्रिया की सराहना की और निर्वाचन आयोग पर अपना पूरा विश्वास जताया।

राजनीतिक दलों ने आयोग से आगामी चुनावों के दौरान मतदाताओं के साथ किसी भी प्रकार की आक्रामकता या धमकी को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने निर्वाचन आयोग से शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने निर्वाचन आयोग से प्रत्येक मतदाता को सुरक्षा प्रदान करने और चुनाव के दौरान हिंसा को रोकने के लिए बड़ी संख्या में सीएपीएफ तैनात करने का आह्वान किया। पार्टियों ने कुछ दलों द्वारा कच्चे बमों, अवैध हथियारों, धन और बाहुबल के इस्तेमाल की आशंका को लेकर चिंता व्यक्त की। राजनीतिक दलों ने आयोग से एक या दो चरणों में चुनाव कराने का आग्रह किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने राजनीतिक दलों को आश्वासन दिया कि देश में चुनाव कानून के अनुसार होते हैं और निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने कहा कि निर्वाचन आयोग मतदाताओं या निर्वाचन कर्मचारियों के खिलाफ हिंसा और धमकी के प्रति बिल्कुल भी सहनशीलता नहीं दिखाएगा। राजनीतिक दलों ने आयोग को आश्वासन दिया कि वे पश्चिम बंगाल में हिंसा-मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने में पूरा सहयोग करेंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने दोहराया कि मतदाता सूची निरीक्षण (एसआईआर) को पूरी पारदर्शिता के साथ संचालित किया गया है। उन्होंने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के नाम जोड़ने/हटाने/परिवर्तन के लिए फॉर्म 6/7/8 अभी भी भरे जा सकते हैं।

बाद में, आयोग ने प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुखों/नोडल अधिकारियों, आईजी, डीआईजी, संभागीय आयुक्तों, पुलिस आयुक्तों, डीईओ और एसएसपी/एसपी के साथ निर्वाचन की योजना, ईवीएम प्रबंधन, रसद, निर्वाचन कर्मचारियों के प्रशिक्षण, जब्ती, कानून व्यवस्था, मतदाता जागरूकता और जनसंपर्क से जुड़ी गतिविधियों के हर पहलू पर विस्तृत समीक्षा की।

आयोग ने प्रवर्तन एजेंसियों के सभी प्रमुखों/नोडल अधिकारियों को पूरी निष्पक्षता के साथ कार्य करने और प्रलोभन से संबंधित सभी गतिविधियों पर सख्ती से नकेल कसने का निर्देश दिया।

आयोग ने सभी मतदान अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी मतदान केंद्रों पर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर आईईपीएफए और एनसीएईआर द्वारा संयुक्त रूप से निवेशक शिक्षा और संरक्षण कार्यशाला का आयोजन

(जीएनएस)।

भारत सरकार के कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के अधीन निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष प्राधिकरण (आईईपीएफए) ने राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) और सैफायर इंटरनेशनल स्कूल के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा छात्रों और महिलाओं में वित्तीय साक्षरता, निवेशक जागरूकता और डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करना था, ताकि वित्तीय रूप से सशक्त और समावेशी समाज की परिकल्पना को बल मिल सके।

कार्यशाला का मुख्य विषय था 'भविष्य अभी है: युवा पीढ़ी के लिए वित्तीय शिक्षा और विकसित भारत के लिए लैंगिक अंतर को पाटना'। इसमें नीति निमार्ताओं, वित्तीय विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने भारत की बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में जिम्मेदार वित्तीय व्यवहार और लैंगिक समानता वाली वित्तीय भागीदारी के महत्व पर साथ मिलकर चर्चा में भाग लिया।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, सैफायर इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्य सुश्री एकता सोनी ने युवा शिक्षार्थियों विशेष रूप से लड़कियों को, वित्तीय ज्ञान से लैस करने के महत्व पर प्रकाश डाला ताकि उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता विकसित हो सके।

अपने मुख्य भाषण में, आईईपीएफए की सीईओ और कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुश्री अनीता शाह अकेल्ला ने इस बात पर बल दिया कि भारत में डिजिटल भुगतान में तेजी से वृद्धि हो रही है, ऐसे में युवा नागरिकों को सुरक्षित वित्तीय आदतें विकसित करने और साइबर धोखाधड़ी से बचने में मदद करने के लिए प्रारंभिक वित्तीय शिक्षा आवश्यक है। उन्होंने वित्तीय जागरूकता और सूचित निर्णय लेने के माध्यम से महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाने के महत्व को भी रेखांकित किया। एनसीएईआर के आईईपीएफ चेयर प्रोफेसर डॉ. सी. एस. मोहपात्रा द्वारा संचालित पैनल चर्चा में भारत के डिजिटल परिवर्तन के साथ वित्तीय शिक्षा को संरेखित करने और वित्तीय आत्मविश्वास और पहुंच में लैंगिक अंतर को दूर करने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। डॉ. सोनल टिक्कू, सुश्री हिमानी लाथ और सीएस शिवम शर्मा सहित विशेषज्ञों ने साइबर सुरक्षा, वित्तीय नियोजन, नैतिक वित्तीय प्रथाओं और नियामक जागरूकता पर अपने विचार साझा किए।

रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी इंदिरा नगर लखनऊ द्वारा होली मिलन समारोह मनाया गया

लखनऊ, वसुंधरा एन्क्लेव फेज 1 इंदिरा नगर सेक्टर 11 इंदिरा नगर लखनऊ निवासियों द्वारा होली मिलन समारोह बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया` वसुंधरा एन्क्लेव के कॉलोनी वासियो ने विगत वर्षो की भांति होली मिलन समारोह आयोजित किया` कॉलोनी वासियो का मनना है की इससे भाई चारे की भवना के साथ ही रिस्तो में मजबूती बढ़ेगी` इस अवसर पर फूलो की होली के साथ ही फाग गान मंडली, महिलाओं एवं नन्हे मुन्ने बच्चो ने अपनी प्रस्तुति नृत्य होलीगीत एवं भक्ति गीत से दी निहारिका श्रीवास्तव एवं मनु श्रीवास्तव ने बच्चों के कार्यक्रम का संचालन किया।उपस्थित एवं प्रतिभागी जिसमें प्रमुख रूप से डॉ अलका सिंह ,गीता सैनी, रंजना श्रीवास्तव, नीलम

राय, रीना राय, रोशनी सेठ, रोली गुप्ता, दीप्ति सैनी,सागरिका मिश्रा,नमिता मिश्रा, अमृता श्रीवास्तव,इशिता शुक्ला, विद्या वाजपेई, संजना वाजपेई,रेनू राय,कमलेश सेठ, सोनी सेठ, कुसुम द्विवेदी, नूतन श्रीवास्तव, प्रीति श्रीवास्तव, संध्या यादव, सीमा यादव, ममता गुप्ता, शीला गुप्ता, कविता सिंह, इमी श्रीवास्तव, सेतु सेठ, इत्यादि रही` इस अवसर पर स्थानीय पार्षद राम कुमार वर्मा, संजीव कुमार सिंह (अध्यक्ष), राजेश राय, संरक्षक जनार्दन सिंह, वी.बी.एस. श्रीवास्तव,(महासचिव), बंश बहादुर यादव (उपाध्यक्ष), ओम हर्ष यादव, कोषाध्यक्ष, डॉ. (प्रो.) पी.सी. गुप्ता, मीडिया प्रभारी, अंकुर सेठ, अंकित सेठ,विजय सिंह, अनिल बाजपेयी, राजेश द्विवेदी(जीएनएस)। राजेश राय, सुधांशु सैनी, विवेक श्रीवास्तव, पी. एस. लाल श्रीवास्तव, सतीश कुमार तिवारी ,आर. के. सैनी , आदिनाथ राय , गंगा सिंह, अवधेश्वर सहाय, भारद्वाज, प्रवेश राय, उत्कर्ष तिवारी इत्यादि पदाधिकारी मौजूद रहे`

मेटुकहा चौराहा पर इफ़्तार दावत का आयोजन, अमन-चैन और भाईचारे की दुआ

(जीएनएस)।

बहराइच जनपद के थाना रामगांव अंतर्गत मेटुकहा चौराहा पर पवित्र रमजान माह के अवसर पर एक इफ़्तार दावत का आयोजन किया गया। इस मौके पर समाज के सभी वर्गों के लोग—बड़े, बुजुर्ग, करीबी दोस्त और साथी—बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने एक साथ रोजा इफ़्तार कर आपसी भाईचारे,और एकता का संदेश दिया तथा देश और दुनिया में अमन-शांति के लिए दुआ की।

इस अवसर पर युवा मुस्ताक खान, क्षेत्र पंचायत सदस्य हारुन खान, पूर्व जिला पंचायत जुमाई खान , युवा कार्यकर्ता वकील, रकीब, इकरार,

कल्लू चिकन, सरवर खान, इस्तिखार, सुफियान, समीम, नसीम, अतीक खान, छोट्टन हाजी, इसराइल खान ठेकेदार आदि हजारों की संख्यामे लोग मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे से मुलाकात कर रमजान की मुबारकबाद दी और समाज में प्रेम, सौहार्द व एकजुटता बनाए रखने का संदेश दिया।

इफ़्तार दावत के आयोजक सरवर खान व मुस्ताक खान ने कार्यक्रम में शामिल हुए सभी अतिथियों, बुजुर्गों और साथियों का तहेदिल से शुक्रिया अदा करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी मेल-मिलाप और भाईचारे को मजबूत करने का काम करते हैं।

इफ़्तार दावत का माहौल पूरी तरह रूहानी और भाईचारे से सराबोर रहा, जहाँ लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर रमजान की मुबारकबाद दी और अमन-चैन की दुआ की।

उत्तर प्रदेश बनेगा सौर उर्जा निवेश का हब 7-9 मई को

लखनऊ में होगा यूपी एनर्जी एक्सपो 2026 का आयोजन

कानपुर, 9 मार्च 2026 (सोमवार): उत्तर प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ढलऊउउक) और फर्स्ट व्यू ने यूपीनेडा, उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम किया है।

उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना पर एक वढए प्री-इवेंट जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन, कानपुर में किया। इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के हितधारकों ने भाग लिया और सौर ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते अवसरों, नीतियों और संभावनाओं पर चर्चा की।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दीक्षा जैन, आईएएस, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ), कानपुर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना और पीएम कुसुम योजना जैसे प्रयास घरों, किसानों और उद्योगों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, जिससे सतत विकास और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती मिल रही है।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए , अतुल श्रीवास्तव, सीनियर रीजनल डायरेक्टर, ढलऊउउक ने बताया कि यूपी एनर्जी एक्सपो 2026 का आयोजन 7 से 9 मई 2026 तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया जाएगा, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारक एक मंच पर आएंगे।

उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय एक्सपो में भारत और विदेशों से 150 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे तथा 10 विशेष सत्र और 60 से अधिक वक्ता नई तकनीकों, नीतियों और निवेश के अवसरों पर चर्चा करेंगे।

वी.के. वर्मा, संयुक्त निदेशक, टरटए, ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के लिए सौर ऊर्जा अपनाना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उद्योगों की लागत कम हो सकती है और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा।

अंजनीश प्रताप सिंह, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र (उ्क्रउ), कानपुर ने कहा कि सौर ऊर्जा उद्योगों के लिए किफायती होती जा रही है और इससे राज्य तथा देश के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। सुदीप गोयनका, निदेशक, गोल्डी ग्रुप लि. ने कहा कि सौर ऊर्जा में असीम संभावनाएं हैं ,ऊर्जा का इससे बेहतर विकल्प नहीं हो सकता।

इस अवसर पर राजेश कुमार पांडेय, परियोजना प्रबंधक, वढठएऊ्र, कानपुर, ने पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना और पीएम कुसुम योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत सौर ऊर्जा अपनाने में उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में से एक बनने की क्षमता रखता है और इसमें अपार संभावनाएँ हैं। अनुराग मिश्रा, कानपुर ब्रांच हेड, डएक इंडस्ट्रीज, ने भी नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते अवसरों पर अपने विचार साझा किए।

पराग मिश्रा, यूपी एनर्जी एक्सपो 2026 के प्रोग्राम कन्वीनर, ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा के भविष्य को मजबूत बनाने के लिए यह एक्सपो एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। उन्होंने कहा कि ढलऊउउकने इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जागरूक किया है ताकि अधिक से अधिक लोग पीएम सूर्य घर योजना को अपनाएँ, इसमें भाग लें और इसका लाभ उठाएँ। यूपी एनर्जी एक्सपो 2026 का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा निवेश का प्रमुख केंद्र बनाना है। राज्य में बढ़ते सौर ऊर्जा लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए यह एक्सपो रूफटॉप सोलर, बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स तथा कमर्शियल एवं इंडस्ट्रियल सोलर समाधान को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करेगा।

इस एक्सपो में यूपी ईवी एक्सपो, यूपी स्मार्ट ग्रिड एक्सपो और यूपी स्टोरेज एक्सपो जैसे विशेष खंड भी शामिल होंगे, जिनमें इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, स्मार्ट ग्रिड तकनीक और ऊर्जा भंडारण से जुड़े नवीन समाधान प्रदर्शित किए जाएंगे।

भारतीय अब अपनी भाषा में यात्रा की खोज करने लगे हैं : मेकमायट्रिप

लखनऊ। भारत की प्रमुख ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी मेकमायट्रिप ने आज अपने जेन-एआई आधारित ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट मायरा से मिले कुछ शुरूआती रुझान साझा किए हैं।

ये संकेत देते हैं कि भारतीय यात्री अब वॉइस के माध्यम से किस तरह से इंटरैक्ट करना शुरू कर रहे हैं और इसमें एक नया व्यवहारिक रुझान उभर रहा है। मायरा का यूजर बेस अभी बढ़ रहा है और इस पर रोजाना 50,000 से अधिक बातचीत हो रही है, लेकिन शुरूआती आंकड़े बताते हैं कि वॉइस सर्च लोगों को अपनी बात ज्यादा खुलकर, संदर्भ के साथ और अपनी पसंदीदा भाषा में रखने का मौका दे रहा है। यह तरीका टेक्स्ट के जरिए सर्च करने के पारंपरिक तरीके से काफी अलग और स्वाभाविक है।

मेकमायट्रिप के सह-संस्थापक और ग्रुप सीईओ, राजेश मागो ने कहा मायरा के जरिए हमें जो शुरूआती संकेत मिल रहे हैं, वे काफी उत्साहजनक हैं। वॉइस सर्च अब उन लोगों को यात्रा खोजने और उसकी योजना बनाने का एक अधिक स्वाभाविक तरीका दे रहा है, जो अपनी भाषा में ज्यादा सहज महसूस करते हैं। कोच्चि या कोयंबटूर जैसे शहरों में रहने वाले लोग अगर मलयालम या तमिल में सोचते हैं, तो अपनी जरूरतें सीधे बोलकर बताना (बजाय इसके कि उन्हें अंग्रेजी में टाइप करें), उनके अनुभव को पूरी तरह से बदल देता है। अभी तो यह सिर्फ शुरूआत है, लेकिन ये संकेत बताते हैं कि वॉइस सर्च भविष्य में पूरे भारत में यात्रा की योजना बनाने के तरीके को और भी समावेशी और सुलभ बना सकता है।

वॉइस और टेक्स्ट सर्च के बीच बढ़ता अंतर : इस्तेमाल के शुरूआती पैटर्न में ही यह साफ दिखने लगा है कि लोग टाइप करते समय और बोलकर अपनी बात रखते समय अलग तरह का व्यवहार करते हैं। ज्यादातर टेक्स्ट सर्च आमतौर पर 3-4 शब्दों के छोटे, संक्षिप्त और सीधे कीवर्ड वाले होते हैं, जैसे गोवा होटल स चीप या दिल ली मुंबई फ्लाइट। वहीं, वॉइस सर्च का तरीका काफी अलग नजर आ रहा है। लगभग 23प्रतिशत वॉइस क्वेरी 11 शब्दों से ज्यादा लंबी होती हैं, जबकि टेक्स्ट सर्च में ऐसा केवल 7प्रतिशत मामलों में होता है। बोलते समय लोग स्वाभाविक रूप से एक ही वाक्य में कई चीजें बता देते हैं जैसे जगह की लोकेशन, होटल की सुविधाएँ, बजट, साथ में कितने लोग हैं और यात्रा की तारीखें। उदाहरण के तौर पर लोग इस तरह पूछ रहे हैं: नार्थ गोवा में बीच के पास पूल वाला किफायती होटल दिखाइए या 2 वयस्क और एक बच्चा, 14 जनवरी से 3 रात, बजट 15,000 रुपये प्रति रात से कम।

कई सर्च श्रेणियों में शुरूआती आंकड़े बताते हैं कि वॉइस का इस्तेमाल टेक्स्ट के मुकाबले काफी ज्यादा हो रहा है। तारीखों से जुड़ी सर्च में यह अंतर सबसे ज्यादा है, जो वॉइस पर टेक्स्ट की तुलना में 3.3 गुना अधिक है। लोग टाइप करते समय तारीखों को बहुत छोटा और संक्षिप्त (जैसे 26-29 दिसंबर) लिखते हैं जबकि बोलते समय वे स्वाभाविक तरीके से कहते हैं 26 दिसंबर से 29 दिसंबर तक या अगले शुक्रवार से रविवार तक।

गोमतीनगर के महात्मा गांधी पार्क मे अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पुरस्कृत कार्यक्रम का आयोजन किया गया

लखनऊ गोमतीनगर के महात्मा गांधी पार्क मे अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पुरस्कृत कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम के संयोजक-विजय कुमार राय प्रदेश महामंत्री, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद,उ०प्र०। एवम् अध्यक्षता विश्राम त्रिपाठी एडवोकेट विशेष सहयोग-रमेशचन्द्र त्रिपाठी,रामचन्द्र शुक्ला ,शंकर सुमन आदि उपस्थित रहे महिलाएँ शशि श्रीवास्तव,सुनीता जोशी,अन्जू डे ,विमला राय,कल्पना ,शिप्रा,पूनम ,शिखा,नीना यादव,गीता कुशवाहा आदि महिलाएँ सम्मानित हुईं ।

अली खामेनई की शहादत पर पत्रकार संवाद मंच का भावुक श्रद्धांजलि

दिलों को चीर देने वाली विदाई, अमर हो गई खामेनई की आवाज,

(जीएनएस)।

लखनऊ। दुनिया की इस भागती-दौड़ती जिंदगी में कभी-कभी ऐसे क्षण आते हैं, जब समय ठहर सा जाता है। हवाओं में एक करुण स्वर गूंजता है, और दिल की धड़कनें मानो रुक सी जाती हैं। ऐसा ही एक दुखद क्षण आया है, जब ईरान के महान सुप्रीम लीडर, सैय्यद अली आयतुल्लाह खामेनई की शहादत की खबर ने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया। उनकी विदाई नहीं सिर्फ एक नेता की मौत है, बल्कि मानवता के एक युग का अंत है, एक ऐसा युग जो न्याय, आस्था और अटूट साहस की मिसाल था। उनकी स्मृति में आज आंसुओं की धारा बह रही है, और हर आंख नम है, जैसे कोई अपनों को खोने का दर्द साझा कर रही हो।

खामेनई की शहादत ने इंसानियत को रुला दिया,

आयतुल्लाह खामेनई, वह नाम जो ईरान की धरती पर क्रांति की लौ जलाता रहा, और दुनिया भर में इस्लामी मूल्यों की रक्षा का प्रतीक शांति की पुकार। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनकी गरजती हुई आवाज ने तानाशाहों को थर्रा दिया और दबे-कुचले लोगों को उम्मीद की किरण दी। लेकिन अब वह आवाज खामोश हो गई है। 28 फरवरी 2026 को तेहरान में हुए उस क्रूर हमले ने उन्हें

बना। उन्होंने अपना जीवन समर्पित किया उन मूल्यों को जो इंसानियत को ऊंचा उठाते हैं, गरीबों की सेवा, अन्याय के खिलाफ आवाज, और हमसे छीन लिया, एक हमला जो अमेरिका-इजराइल की साजिश का हिस्सा था, और जिसने ईरान को 40 दिनों के शोक में डुबो दिया। उनकी शहादत ने साबित किया कि सच्चे नेता कभी मरते नहीं वे अमर हो जाते हैं, हमारी यादों में हमारी प्रार्थनाओं में।

इस गहन दुख की घड़ी में, पत्रकार संवाद मंच, के सम्मानित अध्यक्ष महोदय, सईद खान उर्फ ताजू, ने अपनी भावुक वाणी से इस दर्द को शब्द दिए। उन्होंने कहा, आयतुल्लाह खामेनई एक ऐसे नेता थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया। उनकी शहादत एक अपूरणीय क्षति है, जिसे हम कभी भर नहीं सकते। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक चमकते सितारे थे, जिनकी रोशनी ने करोड़ों दिलों को रोशन किया। उनके जाने से न सिर्फ ईरान, बल्कि पूरी दुनिया ने एक मार्गदर्शक खो दिया। हिंदुस्तान समेत कई देशों से आए शोक संदेश इस बात के गवाह हैं कि उनकी विरासत सीमाओं से परे है।

बैद्यनाथ आयुर्वेद परिवार का एक आधुनिक मॉडर्न वेलनेस और पर्सनल केयर ब्रांड, ट्रूसोल ने लॉंच किया ट्रूहर्ब्स की रेंज

09 मार्च 2026: ट्रूसोल, बैद्यनाथ आयुर्वेद परिवार का एक आधुनिक

मॉडर्न वेलनेस और पर्सनल केयर ब्रांड, ने आज 'ट्रूहर्ब्स' रेंज के लॉन्च की घोषणा की। यह ट्रूसोल वेलनेस प्लेटफॉर्म के तहत पारंपरिक आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों की एक बेहद सोच-समझकर तैयार की गई और परिष्कृत पेशकश है। आज के स्वास्थ्य के प्रति जागरुक उपभोक्ताओं के लिए डिजाइन की गई इस रेंज में चार एकल-जड़ी-बूटी फॉर्मूलेशन शामिल हैं— अश्वगंधा, गोक्षुर, ब्राह्मी और हड़जोड़। इन्हें साफ-सुथरे और आधुनिक स्वरूप में पेश किया गया है, जो क्लासिक आयुर्वेदिक ज्ञान और आधुनिक जीवनशैली की जरूरतों के बीच संतुलन बनाते हैं।

ट्रूहर्ब्स रेंज को सावधानीपूर्वक चुनी गई जड़ी-बूटियों से विकसित किया गया है, जिन्हें उनके प्राकृतिक गुणों को संरक्षित रखने के लिए नियंत्रित परिस्थितियों में प्रोसेस किया जाता है। फॉर्मूलेशन की आवश्यकताओं के अनुसार, इन उत्पादों में सांद्रित और मानकीकृत अर्क शामिल हैं ताकि पौधे की प्राकृतिक विशेषताओं को बनाए रखते हुए उनके सक्रिय तत्वों में एकरूपता सुनिश्चित की जा सके। प्रत्येक बैच की शुद्धता, सुरक्षा और अवयवों की अखंडता के लिए कड़ी गुणवत्ता जांच की जाती है, और इनका निर्माण ऐसी सुविधाओं में किया जाता है जो गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस (जीएमपी) का पालन करती हैं और एफएसएसएआई आवश्यकताओं सहित सभी लागू नियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप हैं।

ट्रूहर्ब्स रेंज की प्रत्येक जड़ी-बूटियों को आयुर्वेदिक साहित्य में उनके विशिष्ट स्वास्थ्य लाभों के लिए पारंपरिक रूप से महत्व दिया गया है, जैसे तनाव संतुलन, सहनशक्ति और समग्र जीवन शक्ति के लिए अश्वगंधा, शक्ति, एंड्योरेंस और सक्रिय जीवनशैली के सहयोग के लिए गोक्षुर, संज्ञानात्मक स्वास्थ्य, एकाग्रता और मानसिक स्पष्टता के लिए ब्राह्मी, और हड्डियों तथा जोड़ों की मजबूती के लिए हड़जोड़।

मुख्य रूप से निवारक और लाइफस्टाइल संबंधित वेलनेस के लिए तैयार की गई ट्रूहर्ब्स रेंज को किसी विशेष बीमारी के उपचार के बजाय संतुलित जीवनशैली के पूरक के रूप में डिजाइन किया गया है। यह विशेष रूप से व्यस्त दिनचर्या वाले कामकाजी पेशेवरों, प्लांट-बेस्ड ताकत की तलाश करने वाले फिटनेस उत्साही लोगों, एकाग्रता और स्पष्टता को प्राथमिकता देने वाले छात्रों एवं बौद्धिक श्रम करने वालों और निवारक वेलनेस रूटीन में पारंपरिक जड़ी-बूटियों को शामिल करने के इच्छुक वयस्कों के लिए उपयुक्त है।

लॉन्च के दौरान बोलते हुए ट्रूसोल के सह-संस्थापक अधिराज शर्मा ने कहा: "पीढ़ियों से अश्वगंधा, ब्राह्मी, गोक्षुर और हड़जोड़ जैसी जड़ी-बूटियाँ भारतीय घरों में रोजमर्रा के स्वास्थ्य का हिस्सा थीं। हालाँकि, समय के साथ जैसे-जैसे जीवनशैली तेज और अधिक शहरी होती गई, वह मेल-जोल धीरे-धीरे कम होता गया। सुविधा ने परंपरा की जगह ले ली और कहीं न कहीं हमने इनका उपयोग करना बंद कर दिया। ट्रूहर्ब्स के साथ हम इन सदियों पुरानी जड़ी-बूटियों को वापस रोजमर्रा की जिंदगी में लाना चाहते थे – न केवल पुरानी यादों के कारण, बल्कि लोगों को प्राकृतिक वेलनेस से इस तरह से फिर से जुड़ने में मदद करने के लिए जो सहज, प्रामाणिक, सुलभ और एक स्वस्थ, अधिक संतुलित जीवनशैली के अनुरूप महसूस हो।"

इसी विजन को दोहराते हुए, ट्रूसोल के सह-संस्थापक ऋषि राज शर्मा ने कहा: "हम एक ऐसी विरासत से आते हैं जो जड़ी-बूटियों को केवल सामग्री के रूप में नहीं, बल्कि दैनिक स्वास्थ्य के एक अभिन्न अंग के रूप में देखती है। साथ ही, हम यह भी समझते हैं कि आज के उपभोक्ता जागरूक हैं और शुद्धता, पारदर्शिता व निरंतरता की अपेक्षा रखते हैं। ट्रूहर्ब्स के साथ, हम आयुर्वेद की कुछ सबसे

नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) ने गेट्स फाउंडेशन और डालबर्ग के साथ मिलकर ग्रामीण भारत में कृषि संबंधी जानकारी और समाधान विकसित करने के लिए नेशनल क्लाइमेट फिजियोलॉजी इनोवेशन चैलेंज की शुरूआत की

६ मार्च २०२६ से इनोवेटर्स के लिए आवेदन खुले हैं, ताकि वे निकट-अवधि के जलवायु जोखिम पूवार्नुमान मॉडल और व्यावहारिक डैशबोर्ड विकसित कर सकें। शीर्ष तीन टीमों को क्रमशः ₹15 लाख, ₹10 लाख और ₹5 लाख के पुरस्कार दिए जाएंगे।

9 मार्च, 2026:* राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने गेट्स फाउंडेशन और डलबर्ग एडवाइजर्स के सहयोग से राष्ट्रीय जलवायु स्टैक इनोवेशन चैलेंज की शुरूआत की घोषणा की है। यह एक राष्ट्रीय पहल है जिसका उद्देश्य ग्रामीण भारत के लिए राष्ट्रीय जलवायु स्टैक की मूलभूत परतों का निर्माण करके भारत की जलवायु लचीलापन संरचना को मजबूत करना है।

इस चैलेंज के लिए आवेदन खुले हैं और इसकी विस्तृत जानकारी ३३स्र२://६६६.ेश्र२ु.ल्लल्लङ्ग५.३ङ्गल लूँ.ेल्लीू.ङ्ग/ पर उपलब्ध है।

भारत में जलवायु संबंधी जोखिम तेजी से बढ़ रहे हैं। हीटवेव, बाढ़, सूखा और चक्रवात कृषि और ग्रामीण आजीविका पर लगातार बढ़ता दबाव डाल रहे हैं।

हालाँकि जलवायु से संबंधित डेटा की उपलब्धता में सुधार हुआ है, लेकिन निकट अवधि के जोखिमों का पूवार्नुमान अभी भी अलग-अलग डेटा सेट और अलग-थलग मॉडलों में बिखरा हुआ है। मौजूदा जोखिम प्रबंधन प्रणालियाँ अभी भी काफी हद तक प्रतिक्रियात्मक बनी हुई हैं, जो भविष्य को ध्यान में रखकर बनाई गई, परस्पर जुड़ी और निर्णय लेने के लिए तैयार जलवायु जानकारी की आवश्यकता को दर्शाती हैं।

इस अवसर पर नाबार्ड के अध्यक्ष डॉ. शाजी ने कहा, नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) ने कहा, 'राष्ट्रीय स्तर पर हमने जलवायु डेटा के संग्रह और विश्लेषण में वास्तव में काफी लंबा सफर तय किया है। चुनौती यह है कि ये सभी डेटा सेट अलग-अलग वेबसाइटों पर अलग-थलग पड़े हुए हैं। नेशनल क्लाइमेट स्टैक इनोवेशन चैलेंज का उद्देश्य देश के श्रेष्ठ दिमागों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि वे ऐसा समाधान विकसित करने में हमारी मदद करें जो इन सभी डेटा स्रोतों को सहज रूप से एक साथ जोड़ सके।

इसका बड़ा उद्देश्य एक ऐसा तकनीकी समाधान विकसित करना है जो जलवायु डेटा को वास्तव में लोकतांत्रिक बनाए ऐसे तरीके से, जैसा अब तक नहीं किया गया है। इस प्रकार यह पहल माननीय प्रधानमंत्री के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें तकनीक का उपयोग करके अधिक सक्षम और लचीला ग्रामीण भारत बनाने की बात कही गई है।'

कौशांबी कारारी क्षेत्र गौहानी और पवैया गैस एजेंसी में हाहाकार यहाँ उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी

कौशाम्बी के करारी क्षेत्र के गव्हानि एजेंसी घरेलू गैस सिलेंडर की भीषण किल्लत, उपभोक्ता परेशान

कौशाम्बी (उत्तर प्रदेश): उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी जिले के करारी क्षेत्र के इन दिनों घरेलू गैस सिलेंडर की भारी कमी से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। रसोई गैस की इस किल्लत ने आम जनमानस, खासकर गृहिणियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कई दिनों से सिलेंडर खत्म होने के बाद भी लोगों को नया सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है, जिससे उन्हें लकड़ी, मिट्टी का तेल या अन्य वैकल्पिक ईंधन पर निर्भर रहने को मजबूर होना पड़ रहा है।

सप्लाई ठप, एजेंसी पर निराशा हाथ

स्थानीय गैस एजेंसी के बाहर सुबह से ही सिलेंडर लेने के लिए लोगों की भीड़ लगी रहती है, लेकिन उन्हें बार-बार खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। आक्रोशित उपभोक्ताओं का कहना है कि एजेंसी संचालक कोई ठोस जानकारी नहीं दे पा रहे हैं और

न ही सिलेंडर उपलब्ध करा पा रहे हैं।

स्थानीय निवासी पूनम कुमारी देवी ने बताया, "हमारा सिलेंडर तीन दिन पहले खत्म हो गया। बुकिंग कर दी, लेकिन अब तक सिलेंडर नहीं मिला। आज सुबह से एजेंसी के चक्कर लगा रही हूं, पता नहीं कब मिलेगा। बच्चों के लिए खाना बनाना मुश्किल हो गया है।"

एक अन्य उपभोक्ता रफैल अहमद ने कहा, "कई बार एजेंसी वालों से संपर्क किया, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है। कहा जा रहा है कि प्लांट से सप्लाई नहीं आ रही। सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए।"

क्या है वजह?

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यह समस्या मुख्य रूप से अमेरिका और ईरान की जंग से गैस सिलेंडर की आपूर्ति न हो पाने के कारण उत्पन्न हुई है। सूत्र के मुताबिक बताया जा रहा है कि जिस बॉटलिंग प्लांट से इस क्षेत्र में गैस सिलेंडर भेजे जाते हैं, वहां तकनीकी खराबी या परिवहन व्यवस्था में गड़बड़ी के चलते सप्लाई बाधित हुई है। हालांकि, एजेंसी संचालकों की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि विदेश में जंग के कारण यह संकट पैदा हो राहि है

कौशाम्बी के करारी क्षेत्र गौहानी पवैया में गैस सिलेंडर की यह कमी एक गंभीर समस्या बन गई है, जिससे हजारों परिवार प्रभावित हो रहे हैं।